Main Vrindavan Nachdi Phiran Bhajan Lyrics in Hindi English Punjabi

Main Vrindavan Nachdi Phiran Bhajan Lyrics in Punjabi

ਪਾ ਕੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੀ, ਹੋ ਪਾ ਕੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੀ,
ਪਾ ਕੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੀ, ਝਾਂਜਰ ਪੈਰੀਂ,
ਮੈਂ ਵ੍ਰਿੰਦਾਵਨ, ਨੱਚਦੀ ਫਿਰਾਂ l
ਹੋ, ਨੱਚਦੀ ਫਿਰਾਂ*, ਮੈਂ ਟੱਪਦੀ ਫਿਰਾਂ ll
ਹੋ ਪਾ ਕੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੀ, ਝਾਂਜਰ ਪੈਰੀਂ…….

ਪ੍ਰੇਮ, ਵਾਲੀ ਝਾਂਜਰ, ਟੁੱਟੇ ਕਦੀ ਨਾ l
ਸ਼ਿਆਮ, ਥੀਆ ਮੇਰਾ, ਰੁੱਸੇ ਕਦੀ ਨਾ ll
ਹੋ ਕਦੀ ਰੁੱਸੇ, ਹੋ ਕਦੀ ਰੁੱਸੇ,
ਹੋ ਕਦੀ ਰੁੱਸੇ, ਤੇ ਮੈਂ ਹੀ ਮਨਾਵਾਂ,
ਮੈਂ ਵ੍ਰਿੰਦਾਵਨ, ਨੱਚਦੀ ਫਿਰਾਂ,
ਹੋ ਪਾ ਕੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੀ……

ਰਾਧਾ, ਜੀ ਹੈ, ਪ੍ਰੇਮ ਦੀ ਸਾਗਰ l
ਸ਼ਿਆਮ, ਸੁੰਦਰ ਮੇਰੇ, ਨਟਵਰ ਨਾਗਰ ll
ਏਹਨਾਂ, ਦੋਨਾਂ ਤੋਂ ਮੈਂ, ਹੋ ਏਹਨਾਂ, ਦੋਨਾਂ ਤੋਂ ਮੈਂ,
ਏਹਨਾਂ, ਦੋਨਾਂ ਤੋਂ ਮੈਂ, ਵਾਰੀ ਵਾਰੀ ਜਾਵਾਂ,
ਮੈਂ ਵ੍ਰਿੰਦਾਵਨ, ਨੱਚਦੀ ਫਿਰਾਂ,
ਹੋ ਪਾ ਕੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੀ……..

ਏਹ, ਵ੍ਰਿੰਦਾਵਨ, ਪ੍ਰੇਮ ਦੀ ਨਗਰੀ l
ਏਥੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਦੀ, ਗੰਗਾ ਵੱਗਦੀ ll
ਮੈਂ ਤੇ, ਰੱਜ ਰੱਜ, ਹੋ ਮੈਂ ਤੇ, ਰੱਜ ਰੱਜ,
ਮੈਂ ਤੇ, ਰੱਜ ਰੱਜ, ਡੁੱਬਕੀਆਂ ਲਾਵਾਂ,
ਮੈਂ ਵ੍ਰਿੰਦਾਵਨ, ਨੱਚਦੀ ਫਿਰਾਂ,
ਹੋ ਪਾ ਕੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੀ……..

ਪੈਰਾਂ, ਵਿੱਚ ਘੁੰਘਰੂ, ਹੱਥ ਖੜ੍ਹਤਾਲਾਂ l
ਨੱਚ, ਨੱਚ ਕੇ ਸਾਰੇ, ਘਾਉਣ ਯਭਾਲਾਂ ll
ਮੈਂ ਵੀ, ਵੀਰਾਂ ਵਾਂਗੂ, ਮੈਂ ਵੀ, ਵੀਰਾਂ ਵਾਂਗੂ,
ਮੈਂ ਵੀ, ਵੀਰਾਂ ਵਾਂਗੂ, ਗਿੱਧਾ ਪਾਵਾਂ
ਮੈਂ ਵ੍ਰਿੰਦਾਵਨ, ਨੱਚਦੀ ਫਿਰਾਂ,
ਹੋ ਪਾ ਕੇ, ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੀ……. ।

Main Vrindavan Nachdi Phiran Bhajan Lyrics in Hindi

पा के, प्रेम वाली, हो पा के, प्रेम वाली,
पा के, प्रेम वाली, झांझर पैंरीं,
मैं वृंदावन, नचदी फिरां
हो, नचदी फिरां, मैं टप्पदी फिरां*
हो पा के, प्रेम वाली, झांझर पैंरीं…….

प्रेम वाली झांझर, टूटे कदी ना

श्याम, पीया मेरा, रूसे कदी ना
हो कदी रूसे, हो कदी रूसे,
हो कदी रूसे, ते मैं ही मनावां,
मैं वृंदावन, नचदी फिरां,
हो पा के, प्रेम वाली……

राधा जी है, प्रेम की सागर
श्याम, सुंदर मेरे, नटवर नागर
एहनों, दोनों से मैं, हो एहनों, दोनों से मैं,
एहनों, दोनों से मैं, वारी वारी जावां,
मैं वृंदावन, नचदी फिरां,
हो पा के, प्रेम वाली……..

एह, वृंदावन, प्रेम की नगरी
एथे, प्रेम की, गंगा वगदी
मैं ते, रज्ज रज्ज, हो मैं ते, रज्ज रज्ज,
मैं ते, रज्ज रज्ज, डुबकियां लावां,
मैं वृंदावन, नचदी फिरां,
हो पा के, प्रेम वाली……..

पैरां में घुंघरू, हाथ खड़कलां
नच, नच के सारे, पाण धमालां
मैं वी, वीरां वांगू, मैं वी, वीरां वांगू,
मैं वी, वीरां वांगू, गिद्धा पावां
मैं वृंदावन, नचदी फिरां,
हो पा के, प्रेम वाली…….

Main Vrindavan Nachdi Phiran Bhajan Lyrics in English

Pa ke, prem wali, ho pa ke, prem wali,
Pa ke, prem wali, jhanjhar painri,
Main Vrindavan, nachdi phiran,
Ho, nachdi phiran, main tappdi phiran,
Ho pa ke, prem wali, jhanjhar painri…

Prem wali jhanjhar, toote kadi na,
Shyam, piya mera, ruse kadi na,
Ho kadi ruse, ho kadi ruse,
Ho kadi ruse, te main hi manawan,
Main Vrindavan, nachdi phiran,
Ho pa ke, prem wali…

Radha ji hai, prem ki sagar,
Shyam, sundar mere, natwar nagar,
Ehno, dono se main, ho ehno, dono se main,
Ehno, dono se main, waari waari jaawan,
Main Vrindavan, nachdi phiran,
Ho pa ke, prem wali…

Eh, Vrindavan, prem ki nagri,
Ethe, prem ki, ganga vagdi,

Main te, rajj rajj, ho main te, rajj rajj,
Main te, rajj rajj, dubkiyaan laawan,
Main Vrindavan, nachdi phiran,
Ho pa ke, prem wali…

Pairan mein ghungroo, haath khadkala,
Nach, nach ke saare, paan dhamala,
Main vi, veeraan vaangu, main vi, veeraan vaangu,
Main vi, veeraan vaangu, giddha paawan,
Main Vrindavan, nachdi phiran,
Ho pa ke, prem wali…

About Main Vrindavan Nachdi Phiran Bhajan in English

“Main Vrindavan Nachdi Phiran” is a vibrant and joyful devotional bhajan that reflects the blissful and divine love of Radha and Krishna. The bhajan describes the divine ecstasy and love experienced by a devotee who surrenders to the enchanting world of Vrindavan, the abode of Lord Krishna. The lyrics celebrate the pure, innocent, and playful nature of devotion, symbolizing the devotee’s deep connection with the divine.

The bhajan portrays the devotee dancing with joy in the streets of Vrindavan, as they revel in the divine love of Lord Krishna, represented as “Shyam.” The words express a carefree, spiritual ecstasy as the devotee, adorned with jingling anklets, dances with devotion and happiness, fully immersed in the love of Radha and Krishna. The mention of “jhanjhar” (anklets) adds to the lively, rhythmic nature of the song, symbolizing the joyful dance of devotion.

It also highlights the divine connection between Radha and Krishna, and how their love is the ultimate source of bliss. The bhajan encourages devotees to experience the same joy, love, and spiritual fulfillment by immersing themselves in the divine atmosphere of Vrindavan, just as the devotee dances with pure love and devotion.

About Main Vrindavan Nachdi Phiran Bhajan in Hindi

“मैं वृंदावन नचदी फिरां” भजन के बारे में

“मैं वृंदावन नचदी फिरां” एक आनंदमयी और उत्साहपूर्ण भक्ति भजन है जो भगवान श्री कृष्ण और राधा की दिव्य प्रेम कथा को दर्शाता है। इस भजन में भक्त अपनी आत्मा को कृष्ण के प्रेम में पूरी तरह समर्पित करके वृंदावन में नाचने की खुशी का अनुभव करता है। भजन में वृंदावन की पावन भूमि और उसमें बसे भगवान श्री कृष्ण के साथ जुड़ी शांति और भक्ति का वर्णन किया गया है।

भजन के बोल यह दर्शाते हैं कि जैसे ही भक्त श्री कृष्ण के प्रेम में डूबता है, वह न केवल शारीरिक रूप से नाचता है, बल्कि उसका मन भी कृष्ण के ध्यान और भक्ति में रम जाता है। इस भजन में राधा और कृष्ण के अनमोल प्रेम का उल्लेख है, जो भक्तों के जीवन को आनंद और शांति से भर देता है।

भजन में “झांझर” (घुंघरू) और “गिद्धा” जैसे शब्दों का उपयोग किया गया है, जो भक्त की नृत्य और प्रेममय स्थिति को दर्शाते हैं। यह भजन भक्तों को कृष्ण की भक्ति में पूर्ण रूप से लीन होने और उनके प्यार में नाचने के लिए प्रेरित करता है। इस भजन में कृष्ण के प्रति अटूट प्रेम और भक्ति की अभिव्यक्ति है।